आमतौर पर देश के राष्ट्रपति विशेष वाहन से चलते हैं, लेकिन चित्रकूट प्रवास के दौरान माननीय रामनाथ कोविंदजी ई-रिक्शा से चलना पसंद किये। उनका मत था कि इससे ग्रामीण परिवेश को नजदीक से देखने का मौका मिलता है।

दिल्ली में राष्ट्रऋषि नानाजी के जन्म शताब्दी कार्यक्रम में दिव्यांग कलाकार द्वारा नाक से बजाई जा रही बांसुरी की धुन सुन कर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कदम ठिठक गए।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा आयोजित रामायण प्रदर्शनी में भगवान राम के अलग-अलग भाषाओं में अंकित नाम को निहारती केन्द्रीय मंत्री उमा भारती।